ई-कॉमर्स कम्पनियों के खिलाफ एफडीआई पॉलिसी का उल्लंघन करने की शिकायत

अमेजॉन, फ्लिपकार्ट पर रोक लगाएं

प्रतिनिधि, 24 सितंबर

नागपुर- कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ई-कॉमर्स कम्पनी अमेजन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील एवं अन्य कम्पनियों द्वारा गत दिनों से समाचारपत्रों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर सेल लगाये जाने को सरकार की एफडीआई नीति का खुला उल्लंघन बताया है और इन कम्पनियों के व्यापार पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है. कैट ने कहा कि एफडीआई नीति के अंतर्गत ये कंपनियां रिटेल ट्रेड नहीं कर सकती हैं लेकिन नियमों को ताक पर रखते हुए ये कंपनियां खुले रूप से रिटेल व्यापार कर रही हैं जो

कैट ने की मांग

वाणिज्य मंत्रालय के डीआईपीपी विभाग द्वारा 29 मार्च,2016 को ई-कॉमर्स के लिए जारी नीति के विरुद्ध है. जिसमें ई-कॉमर्स में मार्केटप्लेस मॉडल को केवल बीटूबी व्यापार करने की ही इजाजत है, लेकिन ये कंपनियां सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को अपने पोर्टल पर आकर्षित करने हेतु बड़े-बड़े सेल के विज्ञापन दे रही हैं जो ये नहीं कर सकती.

केंद्र सरकार के वाणिज्य मंत्री श्री सुरेश प्रभु को आज दर्ज की एक शिकायत में कैट ने मांग की है कि इन कम्पनियों को यह सेल लगाने से रोका जाए और इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए. उपभोक्ताओं को सीधे माल खरीदने के लिए आमंत्रित करना एफडीआई नीति का खुला उल्लंघन है. उन्होंने यह भी कहा कि इन कंपनियों के पोर्टल पर बिकने वाले उत्पाद का स्वामित्व इन कंपनियों के पास नहीं हैं, ऐसे में किस प्रकार ये कंपनियां उस उत्पाद की कीमत तय कर सकती हैं, जिसके मालिक ये है ही नहीं.भरतिया एवं खण्डेलवाल ने यह भी कहा की ये कंपनियां अपने को मार्केटप्लेस मॉडल होने का दावा करती हैं इस नाते से ये केवल तकनीकी प्लेटफार्म ही चला सकती हैं जिस पर केवल विक्रेता पंजीकृत होकर इनके प्लेटफार्म के माध्यम से ई कॉमर्स द्वारा अपना सामान बेच सकता है. जब ये कंपनियां अपने पोर्टल पर बिकने वाले सामान की मालिक ही नहीं है तो किस प्रकार ये अपने पोर्टल पर सेल लगा सकती हैं, लेकिन फिर भी ये कंपनियां अपने पोर्टल पर सेल का खुला आमंत्रण दे रही हैं जो सीधे ही एफडीआई नीति का उल्लंघन है.

सांसद ने अपनी ही सरकार पर मुकदमा करने कहा

प्रतिनिधि, 24 सितम्बर

नागपुर - शनिवार को यहां मच्छीमार किसान संघ की बैठक में भंडारा-गोंदिया से भाजपा सांसद नाना पटोले ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने पर जोर दिया. इसके पहले राज्य और केंद्र की भाजपा सरकारों तथा इससे भी आगे बढ़कर सीधे पीएम मोदी की कार्यप्रणाली के खिलाफ पटोले असंतोष जता चुके हैं. अपनी ही सरकार के खिलाफ बिगुल फूंक चुके पटोले ने कहा कि तालाबों से पीढ़ी दर पीढ़ी मछली पकड़ने के काम करने वाले किसानों पर सरकार अन्याय कर रही है. पटोले ने कहा - एक तरफ स्किल इंडिया के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने की बात कही जा रही है. दूसरी ओर परंपरागत व्यवसाय में लगे लोगों को बर्बाद

पटोले के बागी तेवर बरकरार

करने का षडयंत्र रच रही है. तालाब में मत्स्य व्यवसाय को लेकर राज्य सरकार द्वारा निकाले गए जीआर की भी उन्होंने जमकर आलोचना की. पटोले का कहना है कि तालाबों में मछली पकड़ने की इजाजत देते वक्त सरकार वार्षिक तौर पर किराया वसूलती है, लेकिन हकीकत में नागपुर जिले के तालाबों में दो महीने से ज्यादा पानी नहीं रहता. इस जीआर को जारी कर मछली पकड़ने के व्यवसाय में लगे किसानों के साथ अन्याय है. इसलिए सरकार के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज होना चाहिए. गौरतलब है कि पटोले बीते दिनों मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मछली पकड़ने वाले लोगों की समस्याओं पर चर्चा भी कर चुके हैं.

अपनी ही सरकार पर लगातार हमला बोल रहे सांसद नाना पटोले ने यह भी साफ किया कि उन्हें पद का कोई लोभ नहीं है वह जनता के लिए काम करते हैं. देश की राजधानी में रहने वाले सांसदों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि संपत्ति अर्जित करने के लिए लोग सांसद बनते हैं. सांसदों के पास इतनी संपत्ति है कि उनकी सात पीढ़ियां गुजारा कर सकती हैं, लेकिन वह सिर्फ जनसेवा कर रहे हैं.

सनद रहे हाल ही में यवतमाल जिले के टिटवी गांव के किसान प्रकाश मनगांवकर के परिजनों से मुलाकात कर नाना पटोले सरकार पर निशाना साध चुके हैं. इस घटना के बाद मृतक किसान के परिजनों ने भी प्रधानमंत्री के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रवृत्त करने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है.

शिवसेना ने फूंका महंगाई का पुतला

प्रतिनिधि, 24 सितंबर

नागपुर- सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती महंगाई को केंद्र सरकार ने 100 दिनों में कम करने का आश्वासन देश की जनता को दिया था, लेकिन महंगाई और बढ़ती जा रही है. पेट्रोल और डीजल के अभाव आसमान छू रहे हैं जिसके चलते अनिवार्य आवश्यकताओं की वस्तुओं की कीमत भी पहुंच से बाहर होती जा रही है. शिवसेना ने महंगाई के विरोध में मोर्चा निकाला. शहर में जिला प्रमुख सतीश हरडे के नेतृत्व में शिनसेना भवन से लेकर कॉटन मार्केट चौक तक मोर्चा निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में शिवसैनिकों व नागरिक शामिल हुए.

सरकार के खिलाफ निकाला मोर्चा

महंगाई और सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की गई. कॉटन मार्केट चौक में काफी देर तक रोड जाम हो गया.

हरडे ने कहा कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के आदेश पर पूरे राज्यभर में महंगाई के विरोध में मोर्चा प्रदर्शन किया गया. महंगाई को कम करने का वादा करने वाली केंद्र सरकार ने 3 वर्ष के काल में आवश्यक वस्तुओं के दामों में भी कमी नहीं की जिससे आम जनता परेशान हो गई है. आज गेहूं 35 और चावल 60 रुपये किलो बिक रहा है. पेट्रोल 80 रुपये लीटर से ऊपर पहुंच गया है. डीजल के दाम लगातार बढ़ने से सभी वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं. चुनाव के पूर्व भाजपा के आलानेताओं ने सरकार बनने पर 100 दिनों में महंगाई कम करने का देश की जनता से वादा किया था, लेकिन केंद्र सरकार इसमें असफल रही. राज्य सरकार भी अन्य दूसरे राज्यों की अपेक्षा यहां सभी टैक्स जनता से अधिक वसूल रही है, जिससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है. मोर्चा में सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई. 'वाह रे मोदी तेरा खेल, सस्ती दारू महंगा तेल' जैसे नारे लगाए गए. महंगाई के लिए मोदी सरकार को जमकर कोसा गया और महंगाई कम करने की मांग की गई.

सरकार की वादाखिलाफी

मोर्चा में शामिल सूरज गोजे, किशोर कुमेरिया ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की यह वादाखिलाफी है. जनता से जो-जो वादे किए गए पूरा नहीं किया. मोर्चे में मंगलागवरे, चंद्रहास राऊत, रामचरण दुबे, नितिन तिवारी, गुड्डू रहांगडाले, चिंटू महाराज, किशोर पराते, वाहतुक प्रमुख आशीष मनपिया, दीपक शेंद्रे, ओंकार पारवे, शरद सरोदे, बाल्या मगरे, गुलाब भोयर, सुरेखा खोबरागड़े, अजय दलाल, निशा मुंडे, आरिफ काजी, संजय कसोधन, अनिल बोरकर, नीलेश तिघरे, प्रीतम कापसे, शशिधर तिवारी, छगन सोनवने, अंकिता शाहू, अमोल निंबालकर, सुरेश टाले,कृष्णा चौवके, शुभम फुंडकर, विजय शाहू, पप्पू कोसले, द्वारका शाहू, संजोग राठौड़, विक्रम राठौड़, अरविंद राजपूत हरि बानाईत, सिद्धू कोमेजवार, गज्जू डाफ, यश जैन, अक्षय मेश्राम, लक्ष्मी अग्रवाल, नेहा यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए.

पुलिस ने खंगाला बैंक का रिकार्ड

बैंक अध्यक्ष वानखेड़े आत्महत्या मामला

प्रतिनिधि, 24 सितंबर

वर्धा- डॉ. पंजाबराव देशमुख को-ऑपरेटिव बैंक के वर्धा शाखा में घटित 9 करोड़ 81 लाख की हेराफेरी मामले की शहर पुलिस ने जांच शुरू की है. शुक्रवार को इस संदर्भ में बैंक द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी. अनाज गिरवी रखकर उस पर बैंक के माध्यम से लोन उठाया गया था, लेकिन लोन का भुगतान न करते हुए बैंक प्रबंधक अशोक झाड़े व वखार महामंडल के कर्मी हरीश कांचनवार व व्यापारी, किसानों ने मिलीभगत कर गोदाम में रखा हुआ अनाज बेचा था. जिसकी भनक लगने के बाद बैंक ने जांच शुरू की थी.

इस घोटाले से आहत बैंक के अध्यक्ष संजय वानखेड़े ने आत्महत्या की थी. इसके उपरांत मामला चर्चा में आया. इस मामले की शिकायत होने के बाद पुलिस ने बैंक का रिकार्ड खंगाला. उल्लेखनीय है कि वानखेड़े की आत्महत्या ने बैंकिंग क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी. वानखेड़े की आत्महत्या से जिले के लोग हैरत में पड गए थे.

नागपुर में अंतर्राष्ट्रीय परिचय सम्मेलन

प्रतिनिधि, 24 सितंबर

नागपुर - सर्वविदित धार्मिक संस्था पूज्य समाधा आश्रम नागपुर व सिंधी सामाजिक क्षेत्र में 36 वर्षों से कार्यरत सामाजिक संस्था सिंधी सोशल फोरम नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में गत 15 वर्षों से मिले अपूर्व प्रतिसाद से प्रोत्साहित होकर इस वर्ष भी उच्च शिक्षा प्राप्त सिंधी युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया है. रविवार 10 दिसंबर 2017 को जगत सेलिब्रेशन हॉल रिंग रोड जरिपटका नागपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन होगा. इस सम्मेलन में डॉक्टर्स, इंजीनियर्स (बीई, बीटेक, एमटेक, एमएस) आर्किटेक्स (बीआर्क, एमआर्क) पीएचडी, एमफिल, एमएड, पदव्यूत्तर, सीए, सीएस, आयसीडब्ल्यूए, ईजीडीएम,

सिंधी युवक-युवतियों के लिए स्वर्णिम अवसर

एमसीएम, एमसीए, एमएमएम, एमबीए, बीफार्म, एमफार्म, एलएलबी, एलएलएम, होटल मैनेजमेंट, एमएस (कॉम), एमए, एमकॉम, एमएससी, बीएड आदि उच्चशिक्षा प्राप्त सिंधी युवक-युवतियों को देश-विदेश में कार्यरत उनका सही जीवन साथी चुनने में एक मंच उपलब्ध कराना आयोजकों का उद्देश्य है. गत वर्ष आयोजित सम्मेलन में उच्च शिक्षा प्राप्त देश-विदेश से आए 104 युवक व 131 युवतियों ने भाग लिया. जिसमें करीब 30 प्रतिशत रिश्ते आपसी विचार-विमर्श से तय हुए थे. इच्छुक अभिभावक व युवक-युवतियां इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए आवश्यक आवेदन पत्र सिंधी सोशल फोरम दयानंद नगर जरिपटका नागपुर फोन नं. 0712-2632477 व पूज्य समाधा आश्रम बैंक कॉलोनी जरिपटका नागपुर फोन नं. 0712-2631498 से प्राप्त कर सकते हैं. पूरी जानकारी के साथ भरे गए आवेदन पत्र 25 नवंबर तक स्वीकारे जाएंगे. यह जानकारी सिंधी सोशल फोरम नागपुर के अध्यक्ष पी.टी. दारा ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी है.

विदर्भ में लड़कियों की जन्मदर में बढ़ोतरी

राज्य में 1000 लड़कों पर 924 लड़कियां

राष्ट्रीय परिवार कल्याण विभाग के सर्वेक्षण में लिंगानुपात के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा के प्रमाण में भी वृद्धि होने की बात सामने आई है. 27 हजार परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है. राज्य के प्रत्येक जिले में 600-700 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है. इसमें वर्धा जिले के शहरी इलाके में लड़कियों की जन्मदर लड़कों की तुलना में 1266 तथा ग्रामीण इलाकों में 1377 तक पहुंच गई है. अकोला में यह प्रमाण 1068 , औरंगाबाद में 1067तथा पुणे में 1066 है.

प्रतिनिधि, 24 सितंबर

नागपुर- हमारे समाज में लड़की को पराया धन और लड़के को वंश का कुलदीपक समझा जाता है. आधुनिक विज्ञान के युग में तो लोग इस मानसिकता को त्यागने को तैयार नहीं हैं. यही वजह है कि हमारे देश में लिंगानुपात में भारी अंतर है. हालांकि अब इस स्थिति में बदलाव आ रहा है.

मुंबई सहित नागपुर, अमरावती , भंडारा, गढ़चिरोली आदि जिलों में लिंगानुपात में सुधार हुआ है. अकोला व वर्धा जिलों में भी स्थिति बेहतर हुई है.राष्ट्रीय परिवार कल्याण विभाग के संर्वेक्षण में राज्य के कुछ जिलों में लड़कियों की जन्मदर लड़कों की तुलना में बढ़ी है. स्वच्छ समाज व चिकित्सकीय दृष्टिकोण से 1000 लड़कों पर 950 लड़कियों का जन्मदर मानक माना जाता है. सरकार ने लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए कई तरह के उपाय किए हैं. सोनोग्राफी करने पर पाबंदी लगाई गई है. साथ ही लोगों की मानसिकता में भी परिवर्तन आया है. यही वजह है कि 2005 में जहां लड़कियों की जन्मदर 67 थी वहीं अब 924 हो गई है. विशेष बात यह है कि वर्धा व अकोला में लिंगानुपात काफी कम था, लेकिन अब यहां भी लड़कियों की जन्मदर बढ़ी है.

मुंबई, पुणे, नागपुर, औरंगाबाद, भंडारा, अकोला, वर्धा, अमरावती, नंदुरबार, गढ़चिरोली, रत्नागिरी, सातारा में लड़कियों की जन्मदर एक हजार से अधिक हो गई है. लड़कियों के जन्मदर प्रमाण में कम रहने वाले वर्धा व अकोला में भी बढ़ोतरी हुई है.

राष्ट्रीय परिवार कल्याण विभाग का सर्वेक्षण

आज का इतिहास 25 सितंबर

1524 वास्कोडिमागा पुर्तगाली भारत का वायसराय बनकर आया.
1604 तीन वर्ष की नाकेबंदी के बाद स्पेनी सैनिकों ने डचों से आस्टेंड छीन लिया.
1663 न्यूहासेल (हंगरी) ने तुर्की के आगे आत्मसमर्पण कर दिया.
1688 फ्रांसीसी हमले के बाद जर्मनी के राजकुमारों में एकता हो गई.
1894 केप कालोनी और बाटाल को जोड़ने वाले पोडोलैंड पर ब्रिटेन ने कब्जा कर लिया.
1959 श्रीलंका के प्रधानमंत्री भंडारनायक की हत्या हुई.
1963 डेमिनिकन गणराज्य सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया.
1966 डारान में तूफान से तीन सौ से अधिक लोग मारे गए.
1970 जार्डन में शाह हुसैन और फलीस्तीनी गुटों में संघर्ष रोकने के लिए समझौता हुआ.
1973 अमरीकी अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्काईलैब के तीन चालक प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे.
1984 जार्डन और मिस्त्र के सात साल बाद राजनयिक संबंध पुनः स्थापित किए.
1988 बर्मा में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा गोली चलाने से 12 व्यक्ति मारे गए.
1989 कोलंबिया में न्यायाधिशों ने तस्करों की धमकी के मद्देनजर और सुरक्षा नहीं मिलने पर हड़ताल की चेतावनी दी.

विदर्भ के 8 जिले रेड जोन में

नागपुर- 1 जून से शुरु हुई बारिश का अंतिम चरण चल रहा है. 30 सितंबर तक मानसून लौट जाएगा. इस बार मानसून की बेरूखी से विदर्भ के 8 प्रमुख जिले रेड जोन में हैं. मौसम विभाग के मापदंडों के अनुसार बारिश में 25 से 30 प्रतिशत तक कमी रहने से उसे रेड जोन में घोषित किया जाता है. पश्चिम विदर्भ के अमरावती, यवतमाल, अकोला, गोंदिया, चंद्रपुर, गढ़चिरोली व भंडारा का समावेश हैं.

बैंक धोखाखड़ी : 13 संचालक गिरफ्तार

प्रतिनिधि, 24 सितंबर

यवतमाल- भाईचंद हीराचंद रायसोनी मल्टीस्टेट बैंक के खाताधारकों के साथ धोखाधड़ी मामले में अध्यक्ष सहित 13 संचालकों को गिरफ्तार किया गया. यवतमाल सीआईडी ने यह कार्रवाई जलगांव में शनिवार को की.

गौरतलब है कि भाईचंद हीराचंद रायसोनी मल्टीस्टेट बैंक ने खाताधारकों को लालच देकर निवेश

सीआईडी ने की कार्रवाई

करवाया था. निवेश की अवधि पूरी होने पर रकम वापसी को लेकर बैंक द्वारा टालमटोल किया जा रहा था. इसके बाद खाताधारकों ने शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया. इसकी जांच सीआईडी को सौंपी गई थी.

गिरफ्तार आरोपियों में बैंक के संस्थापक चेयरमैन प्रमोदकुमार भाईचंद रायसोनी (56), दिलीप कांतिलाल चोरड़िया (64), उपाध्यक्ष मोतीलाल जीरी (50), संचालक सूरजमल जैन (52), दादा पाटिल (58), राजाराम कोली (50), भगवान वाघ (65), भागवत माली (65), डॉ. हितेश महाजन (54), इंद्रकुमार लालवाणी (41) , यशवंत जिरी (65), शेख रमजान शेख अब्दुल नबी (59), मुख्याकार्यकारी अधिकारी सुखलाल माली(47), ललिता सोनवणे आदि शामिल हैं. सभी जलगांव के निवासी हैं.

▶▶ सप्ताहांत तुअर में सुधार ▶▶ चना, मूंग, उड़द रहे सुस्त

दलहनों में उतार-चढ़ाव जारी, गेहूं स्थिर

'साप्ताहिक बाजार समीक्षा'

प्रतिनिधि, 24 सितंबर

नागपुर- आलोच्य सप्ताह में, बाजारों में लोकल और बाहर की ग्राहकी रही. चने पर बिकवाली दबाव होने से भाव सुस्त रहे. तुअर में सुस्ती रहने के बाद सप्ताह के अंत सुधार रहा. मूंग और उड़दमोगर में उठाव कम रहकर भावों में गिरावट रही. उसी तरह अन्य दालों में ग्राहकी कम होने से भाव नीरस रहे. अनाजों में, साधारण मांग से गेहूं में स्थिरता रही जबकि चावलों में गिरावट दर्ज हुई. कनकी का उठाव साधारण रहा.

(अनाज-दलहन)

निर्यातबंदी हटने के बावजूद गिरावटः सरकार द्वारा बीते सप्ताह दलहनों के निर्यात पर 11 सालों से लगी बंदी उठा लिये जाने के बावजूद शुरू के एक-दो दिन भाव सुधार के बाद सभी दलहनें सुस्त रहीं.

लंबी बंदी लगी होने से निर्यातक अन्य देशों को शिफ्ट हो गए. बर्मा, म्यामार, तंजानिया में दाल मिले शुरु हो जाने से निर्यातकों को वहां से अच्छा पड़ता होने से फिलहाल भारत से निर्यात शुरू होने के बाद भी ज्यादा असर नहीं पड़ा है. सरकार फसलों का मूल्य समर्थन मूल्य तक लाने के लिये संग्रहण सीमा हटाने के साथ ही निर्यात पर लगी पाबंदी हटा चुकी है, लेकिन इसका कोई खास असर नजर नहीं आ रहा है. आगामी माह खरीफ फसलों की मूंग, उड़द, तुअर आएगी. सरकार के पास पहले का करीब 20 लाख टन स्टॉक मौजूद है. इसलिये सरकार द्वारा करीब 10 लाख टन माल खुले बाजार में बेचने के लिये टेंडर निकाले गए हैं. माल बिक्री के बाद जगह खाली होने के बाद अगले माह सरकार खरीफ फसलें समर्थन मूल्य पर खरीद सकेगी. उपरोक्त कारणों से अभी बाजारों में गिरावट है.

अधिक आयात से चना टूटाः चने की मांग कमजोर होने से सटोरिया बिकवाली से सप्ताह के अंत गिरावट का सिलसिला देखा गया. ऑस्ट्रेलिया से चने की रैंक लगने से बाजार में घबराहट बनी हुई है. एनसीडीईएक्स में 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हो चुकी है. बाजारों में 200-300 रुपये क्विंटल की गिरावट रही. ज्यादा गिरावट की संभावना कम है. आने वाले दिनों में त्यौहारिक ग्राहकी रहेगी. नागपुर में चना गावरानी 5750-5850, अकोला में 5800-5900, लातूर में 5550-5650 और जलगांव में 5700-5750 तक के भाव रहे. मुंबई से ऑस्ट्रेलियन चना 5700-5750 मोटरकट भाव रहकर चनादाल मीडियम 7000-7200, मीडियम बेस्ट 7500-7600, सुपर बोल्ड बेस्ट 8000-8500 और दालिया के भाव 9000,10,000 तक रहे.

तुअर में सुधारः सप्ताह के शुरुआती दिनों में तुअर में भी गिरावट रहकर सप्ताह के अंत 100-150 तक की तेजी रही. मुंबई से आयातित लेमन तुअर 3850-3875, गावरानी तुअर 4200-4250, तुअरदाल बेस्ट सारटैक्स फटके 6300-6500, नान-सारटैक्स फटके 6000-6200, सारटैक्स फोड़ 5700-5900 और नानसारटैक्स फोड़ के भाव 5400-5600 तक के रहे. तुअरदाल में फिलहाल ज्यादा भाव नहीं घटेंगे. आने वाली फसल बीते साल की तुलना में कम आने के समाचार हैं.

मूंग-उड़द-मसूर सुस्तः मूंगमोगर में भी भाव सुस्त रहे. बेमौसम बारिश से उत्पादक राज्यों में मूंग की आवक घटी है. फसल कम आने की आशंका से स्टाकिस्ट मूंग की खरीदी की ओर झुके दिखाई दे रहे हैं.

मूंग में भाव 500-5500 तक रहकर मूंगमोगर बेस्ट 6800-7500 और मीडियम बेस्ट के भाव 6200-6500 रहे. आने वाले दिनों में भाव सुधर सकते हैं. उड़द मोगर में ग्राहकी कमजोर रहकर बिकवाली का दबाव रहा. भाव पोर्ट में 100-150 तक सुस्त रहे. मुंबई में 4350, कोलकाता में 5100, चेन्नई में 4550 एफक्यू के भाव रहे. एसक्यू में भाव 5950-6000 तक के रहे. महाराष्ट्र की मंडियों में 4300-4800 तक के भाव रहे. उड़दमोगर बेस्ट 8000-9000 और मीडियम बेस्ट के भाव 6500-7000 तक रहे. मसूरदाल 4800-5500, बटरीदाल 5000-5500, बटानादाल 2900-3000 और लाखोड़ीदाल के भाव 2850-3000 तक रहे.

गेहूं स्थिर, चावल सुस्तः गेहूं में साधारण मांग के चलते भाव स्थिर रहकर मिल क्वॉलिटी गेहूं 1750-1850, लोकवन 1900-2400, टुकड़ी 2000-2300, एमपी बोट बेस्ट 3000-3700 और मीडियम बेस्ट के भाव 2200-2800 तक के रहे. आने वाले दिनों में त्यौहारिक उठाव रहेगा. चावलों में ग्राहकी सुस्त बेस्ट चावलों में गिरावट रही. बेस्ट चिन्नो 4800-5200, मीडियम 4600, बेस्ट जयश्रीराम 4800-5000, मीडियम बेस्ट 4400-4600, एचएमटी 3600-4000, बीपीटी 2800-3500, स्वर्णा बेस्ट 2500-2700 और मीडियम बेस्ट के भाव 2300-2450 तक रहे. कनकी में उठाव साधारण रहकर कनकी बेस्ट 2800-3300, मीडियम बेस्ट 2200-2600 और मीडियम के भाव 1900-2100 तक के रहे.

पोहों में उठाव अच्छाः पोहों में ग्राहकी अच्छी रहकर पतला पोहा 3300-3800, मोटा पोहा 3000-3850 मुरमुरा बोरा 230-370 और लोथ में भाव 415-440 तक रहे.

प्रताप ए.मोटवानी,नागपुर.

कलमना मार्केट, नागपुर

चनादाल सुपर बेस्टः 8000-8500
चनादाल मीडियम बेस्टः 7500-7800
चनादाल मीडियमः 7000-7200
चना..गावरानीः 5750-5850
चना/ऑस्ट्रेलिय-मुंबई सेः 5700
तुअरदाल सारटैक्स फटकाः 6300-6500
तुअरदाल नानसारटैक्स फटकाः 6000-6200
तुअरदाल सारटैक्स फोड़ः 5700-5900
तुअरदाल नानसारटैक्स फोड़ः 5400-5600
तुअर गावरानी 4200-4250
तुअर आयातित-मुंबईः 3850-3900
मसूरदाल बेस्टः 5200-5400
मसूरदाल मीडियमः 4800-5000
मूंग-मोगर बेस्ट नयाः 6800-7500
मूंग-मोगर मीडियम बेस्टः 6200-6500
मूंगदाल छिलकाः 5500-6200
उड़दमोगर सुपर बेस्टः 8500-9500
उड़दमोगर मीडियम बेस्टः 6000 -7500
उड़ददाल कालीः 6500-7500
बटाना दालः 2900-3000
हरा बटाना बारिक/बेस्टः 3800-4500
हरा बटाना मीडियमः 3400-3600
काबूली चनाः 12,000-15,000
देसी चनाः 5900-6300
मूंग चमकीः 7000-8000
गेहूं एमपी बोट बेस्टः 3000-3600
गेहूं एमपी बोट मीडियमः 2200-2700
चावल बासमती सुपर बेस्टः 9500-14,000
चावल बासमती मीडियम बेस्टः 5000-7500

मे. कविता पल्सेस इंडस्ट्रीज, नागपुर.